Global Multidisciplinary Research Journal
A Peer Reviewed/Refereed Bi-Annual Research Journal of Multidisciplinary Researches
Volume 1 Issue 1 September 2016, pp. 53-60

ISSN: 2456-4583

Global Development Society
6, New Tilak Nagar, Firozabad-283203 (UP)

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता का अध्ययन

राधा शर्मा

शोधार्थिनी, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान

प्राप्ति- 19 अगस्त 2016, **संशोधन**- 20 अगस्त 2016, **स्वीकृति**- 22 अगस्त 2016

प्रस्तावना

शिक्षा व्यक्ति के लिए, व्यक्ति द्वारा व्यक्ति के हित में की जाने वाली सकारात्मक प्रक्रिया है। शिक्षा से विकसित सामाजिक कार्यकुशल व्यक्ति वह है जो स्वतंत्र रूप से अपना जीविकोपार्जन कर सके, शारीरिक श्रम का सम्मान कर सके और समाज तथा राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दे सके। जिस देश की माध्यमिक शिक्षा गुणात्मक दृष्टि से कमजोर होती है तो उस देश की सम्पूर्ण व्यवस्था भी कमजोर होती है। माध्यमिक शिक्षा के उपरान्त ही बालक उच्च शिक्षा प्राप्त करने के योग्य बनता है तथा अध्यापक का मुख्य कार्य सीखने सम्बन्धी मुख्य क्रियाओं की योजना बनाता है, जो कि विद्यार्थी की आवश्यकता के अनुरूप होती है। जिस प्रकार शिक्षा का वास्तविक रूप विद्यालय की सीमाओं में बंधा नहीं है उसी प्रकार विद्यार्थी के लिए शिक्षक की भूमिका केवल अध्ययन कराना नहीं है, अपितु वह एक मित्र, मार्गदर्शक, मनोवैज्ञानिक भूमिका है। शिक्षक की भूमिका विद्यालय तक ही सीमित नहीं है, अपितु विद्यार्थी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित व प्रकाशित करती है। शिक्षक की अपनी इन भूमिकाओं के प्रति प्रतिबद्धता को 'भूमिका प्रतिबद्धता' कहा जाता है। भूमिका वह है जो समाज की आशाओं के अनुसार व्यक्ति स्वाभाविक प्रणाली में अपना एक सीमित स्थान बना लेते हैं। यह स्थान व्यक्ति के अपने किए गए व्यवहार व कार्यों पर आश्रित होते हैं। प्रतिबद्धता से आशय किसी व्यक्ति या समूह विशेष के लिए क्रिया निवेश होता है। जिसका उसे पालन करना होता है। शिक्षण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक अपनी भूमिका निभाता है। व्यवसाय के अलावा शिक्षक की कुछ भूमिकाएं भी होती हैं। जिनके प्रति उसे प्रतिबद्ध होना चाहिए, जैसे - समाज, राष्ट्र, विद्यालय, विद्यार्थी, व्यवसाय आदि।

जॉन मशीन चारन (2001) ने अध्यापक की नेतृत्व शैली, विद्यालयी वातावरण के सन्दर्भ में विद्यालयी अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया कि प्रधानाध्यापकों की नेतृत्व शैली और विद्यालयी वातावरण से अध्यापकों की संगठनात्मक प्रतिबद्धता प्रभावित होती है।

माहेश्वरी (2004) ने माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन किया। परिणामस्वरूप पाया गया कि माध्यमिक विद्यालय के अध्यापक व्यवसायिक प्रतिबद्धता के प्रति मध्यवर्ती प्रवृत्ति

रखते हैं। विद्यालय के अध्यापकों के मध्य व्यवसायिक प्रतिबद्धता में भिन्नता है। इन भिन्नताओं का कारण उनकी सामाजिक व शैक्षिक विशेषता है। पुरुष अध्यापकों की तुलना में महिला अध्यापकों में व्यवसायिक प्रतिबद्धता पाई गई थी।

वाई येन चान (2008) ने अध्यापक प्रतिबद्धता के संगठनात्मक और व्यक्तिगत कारकों का अध्ययन नामक शोध किया। परिणामस्वरूप पाया कि अध्यापक प्रतिबद्धता को विद्यालय का वातावरण, शिक्षण अनुभव, आयु तथा अध्यापक की व्यक्तिगत सोच प्रभावित करती है तथा साथ ही पाया कि शिक्षण अनुभवों से अध्यापक की क्षमता एवं पहचान सकारात्मक रूप से सम्बन्धित है।

सूद विशाल एवं आरती आनन्द (2010) ने बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षकों में व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन किया। अध्ययन के परिणामस्वरूप पाया कि शिक्षकों की लैंगिक व वैवाहिक स्थिति और शिक्षण अनुभव उनके व्यवसायिक प्रतिबद्धता स्तर को प्रभावित करते हैं।

क्या विद्यालय के वातावरण बदलने पर महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता प्रभावित होती है?

उपरोक्त प्रश्न का समाधान जानने हेतु शोधकर्ती ने शोध का विषय "माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता का अध्ययन" रखा।

अध्ययन के उद्देश्य

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता का अध्ययन।

शोध परिकल्पना

मुख्य परिकल्पना - माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

सहायक परिकल्पना

1. माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यार्थी के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
2. माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यालय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
3. माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की अभिभावक के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
4. माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की समाज के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

5. माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की राष्ट्र के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
6. माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की व्यवसाय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

शोध विधि - इस शोध अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या - प्रस्तुत शोध अध्ययन में आगरा मण्डल के अन्तर्गत आने वाले सभी जिलों के अध्यापकों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श - प्रस्तुत शोध अध्ययन में आगरा मण्डल के 4 जिलों के उत्तर-प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद द्वारा संचालित राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्यापनरत 480 अध्यापकों का चयन यावृच्छिक न्यादर्श चयन विधि से किया गया है। शोध अध्ययन हेतु चयनित न्यादर्श का विवरण अग्र प्रकार है-

शोध उपकरण - शोध उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अध्यापक भूकिा प्रतिबद्धता को मापने के लिए मीनाबुद्धिसागर और मुधलिका वर्मा द्वारा निर्मित अध्यापक भूमिका प्रतिबद्धता स्केल का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों की प्रकृति - प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्त मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों प्रकार के हैं।

प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण - प्रस्तुत शोध में निम्न सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है - (1) मध्यमान (2) मानक विचलन (3) टी-परीक्षण।

शोध परिकल्पना

मुख्य परिकल्पना - माध्यमिक स्तर महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिक संख्या 1: माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	*लिंग*	*संख्या*	*मध्यमान*	*मानक विचलन*	*टी-मान df = 479*
	महिला	174	129.65	9.42	
	पुरुष	306	128.52	8.98	2.028

स्वतंत्रता के अंश 479 एवं 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक मान 1.96 है।

तालिका संख्या - (1) के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता के मध्यमान का मान क्रमशः 129.65 एवं 128.52 है, मानक विचलन का मान 9.42 एवं 8.98 है तथा टी-परीक्षण का अवकलित मान 2.028 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक तालिका मान से अधिक है। अतः परिकल्पना-(1) माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। अस्वीकृत होती है।

अत: परिणामस्वरूप कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

तालिका संख्या 1.1

सहायक परिकल्पना - माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यार्थी के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	*लिंग*	*संख्या*	*मध्यमान*	*मानक विचलन*	*टी-मान df = 479*
	महिला	174	52.03	4.83	
	पुरुष	306	51.97	4.12	0.179

स्वतंत्रता के अंश 479 एवं 0.05 विस्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक मान 1.96 है।

तालिका संख्या (1.1) के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यार्थी के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता के मध्यमान का मान 52.03 एवं 51.97 है, मानक विचलन का मान 4.83 एवं 4.12 है तथा टी-परीक्षण का अवकलित मान 0.179 प्राप्त हुआ है जो कि 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक तालिका मान से कम है। अत: परिकल्पना (1.1) माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यार्थी के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। स्वीकृत होती है।

परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यार्थी के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या -1.2

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यालय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	*लिंग*	*संख्या*	*मध्यमान*	*मानक विचलन*	*टी-मान df = 479*
	महिला	174	18.41	2.60	
	पुरुष	306	18.33	2.71	0.537

स्वतंत्रता के अंश 479 एवं 0.05 विस्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक मान 1.96 है।

तालिका संख्या (1.2) के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यालय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता के मध्यमान का मान क्रमश: 18.41 एवं 18.66 है, मानक विचलन का मान 2.60 एवं 2.71 है तथा टी-परीक्षण का अवकलित मान 0.537 प्राप्त हुआ है जो कि 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक तालिका मान से कम है। अत: परिकल्पना (1.2) माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यालय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। स्वीकृत होती है।

अत: परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की विद्यालय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या -1.3

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की अभिभावक के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	*लिंग*	*संख्या*	*मध्यमान*	*मानक विचलन*	*टी-मान df = 479*
	महिला	174	9.02	1.70	
	पुरुष	306	8.86	1.67	1.301

स्वतंत्रता के अंश 479 एवं 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक मान 1.96 है।

तालिका संख्या (1.3) के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की अभिभावक के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता के मध्यमान का मान क्रमश: 9.02 एवं 8.86 है, मानक विचलन का मान 1.70 एवं 1.67 है तथा टी-परीक्षण का अवकलित मान 1.301 प्राप्त हुआ है जो कि 0.05 के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक तालिका मान से कम है। अत: परिकल्पना (1.3) माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की अभिभावक के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। स्वीकृत होती है।

अत: परिणामस्वरूप कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की अभिभावक के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या -1.4

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की समाज के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	*लिंग*	*संख्या*	*मध्यमाप*	*मानक विचलन*	*टी-मान df = 479*
	महिला	174	13.51	2.00	
	पुरुष	306	13.23	2.12	2.162

स्वतंत्रता के अंश 479 एवं 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक मान 1.96 है।

तालिका संख्या (1.4) के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की समाज के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता के मध्यमान का मान क्रमश: 13.51 एवं 13.23 है, मानक विचलन का मान 2.00 एवं 2.12 है तथा टी-परीक्षण का अवकलित मान 2.162 प्राप्त हुआ है जो कि 0.05 के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक तालिका मान से अधिक है। अत: परिकल्पना (1.4) माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की समाज के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। अस्वीकृत होती है।

अत: परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की समाज के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या -1.5

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की राष्ट्र के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	*लिंग*	*संख्या*	*मध्यमान*	*मानक विचलन*	*टी-मान df = 479*
	महिला	174	9.69	2.21	
	पुरुष	306	9.55	2.17	1.024

स्वतंत्रता के अंश 479 एवं 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक मान 1.96 है।

तालिका संख्या (1.5) के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की राष्ट्र के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता के मध्यमान का मान क्रमश: 9.69 एवं 9.55 है, मानक विचलन का मान क्रमश: 2.21 एवं 2.17 है तथा टी-परीक्षण का अवकलित मान 1.024 प्राप्त हुआ है जो कि 0.05 के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक तालिका मान से कम है। अत: परिकल्पना (1.5) माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की राष्ट्र के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। स्वीकृत होती है।

अत: परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की राष्ट्र के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या -1.6

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की व्यवसाय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण

क्र.सं.	*लिंग*	*संख्या*	*मध्यमान*	*मानक विचलन*	*टी-मान df =479*
	महिला	174	26.98	3.99	
	पुरुष	306	26.56	4.09	1.698

स्वतंत्रता के अंश 479 एवं 0.05 विश्वास के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक मान 1.96 है।

तालिका संख्या (1.6) के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की व्यवसाय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता के मध्यमान का मान 26.98 एवं 26.56 है, मानक विचलन का मान 3.99 एवं 4.09 है तथा टी-परीक्षण का अवकलित मान 1.698 प्राप्त हुआ है जो कि 0.05 के स्तर पर सार्थकता के लिए आवश्यक तालिका मान से कम है। अत: परिकल्पना (1.6) माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की व्यवसाय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। स्वीकृत होती है।

अत: परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की व्यवसाय के सम्बन्ध में भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

निष्कर्ष – प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष इस प्रकार है –

माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। परन्तु इसके साथ ही उपरोक्त तालिकाओं के आधार पर यह भी विदित होता है कि भूमिका प्रतिबद्धता के आयाम समाज के परिपेक्ष्य में माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर पाया जाता है। लेकिन विद्यार्थी, विद्यालय, अभिभावक, राष्ट्र तथा व्यवसाय के परिपेक्ष्य में माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

शैक्षिक निहितार्थ

- प्रस्तुत शोध अध्ययन के द्वारा शोधकर्ती ने माध्यमिक विद्यालय के सम्बन्ध में महिला एवं पुरुष अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता को जाना है। जिसकी उपयोगिता शिक्षक, विद्यार्थी, प्रशासक, विद्यालय, राष्ट्र व अभिभावक वर्ग के लिए है।
- अध्यापक अपनी भूमिका के प्रति प्रतिबद्ध होंगे वो व्यवसाय (शिक्षण कार्य) को उचित प्रकार से कर पाएंगे जिससे विद्यालय की उपलब्धि उच्च होगी तथा समाज व राष्ट्र उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।

परिसीमन

- अध्ययन केवल आगरा मण्डल के अन्तर्गत आने वाले सभी जिलों के माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों पर ही किया गया है।
- इस अध्ययन में राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्यापनरत अध्यापकों को ही शामिल किया गया है।
- शोध अध्ययन में उन्ही अध्यापकों का चयन किया गया है जिसका अध्यापन 3 वर्ष से अधिक है।

भावी शोध हेतु सुझाव

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन अध्यापकों की भूमिका प्रतिबद्धता को संकाय के आधार पर किया जा सकता है।
2. उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों में भी शोध किया जा सकता है।
3. माध्यमिक विद्यालय के अतिरिक्त विद्यालयी विविधता के सन्दर्भ में अध्ययन किया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची

भार्गव, महेश (2007) *आधुनिक मनोवैज्ञानिक मापन*, भार्गव बुक हाउस, आगरा

भट्टाचार्य, जी.सी. (2009) *भारतीय आधुनिक शिक्षा*, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली

गुप्ता, मंजू (2008) *भारत में शिक्षा प्रणाली का विकास*, के.एस. पब्लिशर्स, नई दिल्ली

गुप्ता, एस.पी. (2008) *सांख्यिकीय विधियाँ*, शारदा पुस्तक भवन, पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, इलाहाबाद

कपिल, एच.के. (2006) *अनुसन्धान विधियाँ*, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा

पाण्डेय, कल्पलता (2009) सांवेगिक बुद्धि अवधारणा एक शोध परिप्रेक्ष्य – अध्यापक शिक्षा के लिए निहितार्थ, *इण्डियन जनरल ऑफ टीचर एज्यूकेशन,* नेशनल काउन्सिल फोर टीचर्स एज्यूकेशन, नई दिल्ली

शारदीन्द (2006) *इण्डियन जनरल ऑफ एजुकेशन,* सेज पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली पृ. सं. – 12, 13

वेबसाइट

www.ingenta (unect.com)/…art 002

www.vedambooks.com/home

aer.sagehub.com/connect/24/3/597

www.ejouranal.aiaer.net/vol.

❐❐❐